آيَةُ الْكُرْسِيِّ وَالْمُعَوِّذَات

आयतुल कुर्सी और चारों क़ुल

आयतुल कुर्सी और "क़ुल" से शुरू होने वाली चार सूरतें: काफ़िरून, इख़लास, फ़लक़ और नास। हर आयत अरबी में, उसके नीचे हिंदी उच्चारण और हिंदी मतलब।

आयतुल कुर्सी آيَةُ الْكُرْسِيِّ

सूरह अल-बक़रा 2:255 · 10 हिस्से

ٱللَّهُ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ

1 अल्लाहु ला इला-ह इल्ला हु-व

अल्लाह, उसके सिवा कोई माबूद (इबादत के लायक़) नहीं,

ٱلْحَىُّ ٱلْقَيُّومُ ۚ

2 अल-हय्युल क़य्यूम

वह हमेशा ज़िंदा है, सारी कायनात को थामे और सँभाले हुए है।

لَا تَأْخُذُهُۥ سِنَةٌ وَلَا نَوْمٌ ۚ

3 ला तअ्ख़ुज़ुहू सि-नतुंव-व ला नौम

उसे न ऊँघ आती है, न नींद।

لَّهُۥ مَا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِى ٱلْأَرْضِ ۗ

4 लहू मा फ़िस्समावाति व मा फ़िल-अर्ज़

आसमानों और ज़मीन में जो कुछ है, सब उसी का है।

مَن ذَا ٱلَّذِى يَشْفَعُ عِندَهُۥٓ إِلَّا بِإِذْنِهِۦ ۚ

5 मन ज़ल्लज़ी यश्फ़उ इन्दहू इल्ला बि-इज़्निह

कौन है जो उसकी इजाज़त के बिना उसके पास किसी की सिफ़ारिश कर सके?

يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ ۖ

6 यअ्लमु मा बै-न ऐदीहिम व मा ख़ल्फ़हुम

वह जानता है जो कुछ लोगों के आगे है और जो कुछ उनके पीछे है,

وَلَا يُحِيطُونَ بِشَىْءٍ مِّنْ عِلْمِهِۦٓ إِلَّا بِمَا شَآءَ ۚ

7 व ला युहीतू-न बि-शैइम्-मिन इल्मिही इल्ला बिमा शा-अ

और लोग उसके इल्म में से किसी चीज़ को घेर नहीं सकते, सिवाय उतने के जितना वह चाहे।

وَسِعَ كُرْسِيُّهُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ ۖ

8 वसि-अ कुर्सिय्युहुस-समावाति वल-अर्ज़

उसकी कुर्सी आसमानों और ज़मीन पर छाई हुई है,

وَلَا يَـُٔودُهُۥ حِفۡظُهُمَاۚ

9 व ला यऊदुहू हिफ़्ज़ुहुमा
और उन दोनों की हिफ़ाज़त उसे ज़रा भी नहीं थकाती।

وَهُوَ ٱلۡعَلِيُّ ٱلۡعَظِيمُ

10 व हुवल अलिय्युल अज़ीम
और वही सबसे बुलंद, सबसे अज़मत (बड़ाई) वाला है।

सूरह काफ़िरून

सूरह नंबर 109 · 6 आयतें · मतलब: इनकार करने वाले

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर-रहमानिर-रहीम

قُلۡ يَٰٓأَيُّهَا ٱلۡكَٰفِرُونَ ١

1 क़ुल या अय्युहल काफ़िरून
कह दीजिए: ऐ इनकार करने वालो,

لَآ أَعۡبُدُ مَا تَعۡبُدُونَ ٢

2 ला अअ्बुदु मा तअ्बुदून
मैं उसकी इबादत नहीं करता जिसकी तुम इबादत करते हो,

وَلَآ أَنتُمۡ عَٰبِدُونَ مَآ أَعۡبُدُ ٣

3 व ला अन्तुम आबिदू-न मा अअ्बुद
और न तुम उसकी इबादत करने वाले हो जिसकी मैं इबादत करता हूँ,

وَلَآ أَنَا۠ عَابِدٞ مَّا عَبَدتُّمۡ ٤

4 व ला अना आबिदुम-मा अबद्तुम
और न मैं उसकी इबादत करने वाला हूँ जिसकी तुमने इबादत की,

وَلَآ أَنتُمۡ عَٰبِدُونَ مَآ أَعۡبُدُ ٥

5 व ला अन्तुम आबिदू-न मा अअ्बुद
और न तुम उसकी इबादत करने वाले हो जिसकी मैं इबादत करता हूँ।

لَكُمۡ دِينُكُمۡ وَلِيَ دِينِ ٦

6 लकुम दीनुकुम व लि-य दीन
तुम्हारे लिए तुम्हारा दीन है और मेरे लिए मेरा दीन।

सूरह इख़लास

सूरह नंबर 112 · 4 आयतें · मतलब: ख़ालिस तौहीद

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर-रहमानिर-रहीम

قُلْ هُوَ ٱللَّهُ أَحَدٌ ﴿١﴾

1 क़ुल हुवल्लाहु अहद
कह दीजिए: वह अल्लाह एक है।

ٱللَّهُ ٱلصَّمَدُ ﴿٢﴾

2 अल्लाहुस-समद
अल्लाह बेनियाज़ है, सब उसी के मोहताज हैं।

لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ ﴿٣﴾

3 लम यलिद व लम यूलद
न उसकी कोई औलाद है, न वह किसी की औलाद है।

وَلَمْ يَكُن لَّهُۥ كُفُوًا أَحَدٌۢ ﴿٤﴾

4 व लम यकुल्लहू कुफ़ुवन अहद
और कोई उसके बराबर का नहीं।

सूरह फ़लक़

सूरह नंबर 113 · 5 आयतें · मतलब: सुबह

بِسْمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर-रहमानिर-रहीम

قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ ٱلْفَلَقِ ﴿١﴾

1 क़ुल अऊज़ु बि-रब्बिल फ़लक़
कह दीजिए: मैं सुबह के रब की पनाह माँगता हूँ,

مِن شَرِّ مَا خَلَقَ ﴿٢﴾

2 मिन शर्रि मा ख़लक़
हर उस चीज़ की बुराई से जो उसने पैदा की,

وَمِن شَرِّ غَاسِقٍ إِذَا وَقَبَ ﴿٣﴾

3 व मिन शर्रि ग़ासिक़िन इज़ा वक़ब
और अँधेरी रात की बुराई से, जब वह छा जाए,

وَمِن شَرِّ ٱلنَّفَّٰثَٰتِ فِى ٱلْعُقَدِ ﴿٤﴾

4 व मिन शर्रिन-नफ़्फ़ासाति फ़िल उक़द
और गाँठों में फूँकने वालियों (जादू करने वालों) की बुराई से,

وَمِن شَرِّ حَاسِدٍ إِذَا حَسَدَ ﴿٥﴾

5 व मिन शर्रि हासिदिन इज़ा हसद
और हसद करने वाले की बुराई से, जब वह हसद करे।

सूरह नास

सूरह नंबर 114 · 6 आयतें · मतलब: इंसान

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर-रहमानिर-रहीम

قُلۡ أَعُوذُ بِرَبِّ ٱلنَّاسِ ١

1 क़ुल अऊज़ु बि-रब्बिन-नास

कह दीजिए: मैं इंसानों के रब की पनाह माँगता हूँ,

مَلِكِ ٱلنَّاسِ ٢

2 मलिकिन-नास

इंसानों के बादशाह की,

إِلَٰهِ ٱلنَّاسِ ٣

3 इलाहिन-नास

इंसानों के माबूद की,

مِن شَرِّ ٱلۡوَسۡوَاسِ ٱلۡخَنَّاسِ ٤

4 मिन शर्रिल वसवासिल ख़न्नास

उस वसवसा डालने वाले की बुराई से, जो (अल्लाह का ज़िक्र सुनकर) पीछे हट जाता है,

ٱلَّذِي يُوَسۡوِسُ فِي صُدُورِ ٱلنَّاسِ ٥

5 अल्लज़ी युवसविसु फ़ी सुदूरिन-नास

जो लोगों के दिलों में वसवसे डालता है,

مِنَ ٱلۡجِنَّةِ وَٱلنَّاسِ ٦

6 मिनल जिन्नति वन-नास

चाहे वह जिन्नों में से हो या इंसानों में से।

सुन्नत के मुताबिक़ सोने से पहले:

1. आयतुल कुर्सी एक बार पढ़ें (सहीह बुख़ारी 2311)।
2. दोनों हथेलियाँ मिलाकर सूरह इख़लास, फ़लक़ और नास पढ़ें, हथेलियों पर फूँकें, फिर सिर, चेहरे और जिस्म पर हाथ फेरें। ऐसा तीन बार करें (सहीह बुख़ारी 5017)।
3. आख़िर में सूरह काफ़िरून पढ़कर सो जाएँ (अबू दाऊद 5055)।

सुनें, ऑडियो डाउनलोड करें, और पढ़ें:
ayatulkursi.org/hindi/4-qul/

अरबी: किंग फ़हद कॉम्प्लेक्स का मदीना मुसहफ़ (हफ़्स), Quran.com के ज़रिए। हिंदी उच्चारण और मतलब: AyatulKursi.org के अपने।
मुफ़्त प्रिंट और शेयर करें · बेचने के लिए नहीं।

इस पेज पर क़ुरआन की आयतें हैं, इसे अदब से रखें।